न्यूज डायरी

तालिबान के खिलाफ महिला गवर्नर ने बनाई है अपनी सेना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगानिस्तान में एक महिला गवर्नर तालिबान के खिलाफ छिड़ी जंग का पूरी ताकत के साथ नेतृत्व कर रही है। इस महिला गवर्नर का नाम सलीमा माजरी है। ये नाम और खास इसलिए भी हो जाता है क्योंकि अफगानिस्तान एक पुरुष प्रधान देश है। मजे की बात ये भी है कि उनके नेतृत्व में लड़ने वाले पुरुष ही हैं। वो लगातार स्थिति का जायजा लेती हैं और अगली रणनीति तैयार करती हैं। पिकअप की फ्रंट सीट पर बैठक वो तालिबान के खिलाफ लड़ने वाले पुरुषों को जुटा रही हैं। वो जिस पिकअप पर होती हैं उस पर गाना बजता रहता है मेरे वतन... मैं अपनी जिंदगी तुझ पर कुर्बान कर दूंगा। माजरी लगातार लोगों के बीच जाकर उनसे तालिबान के खिलाफ हथियार उठाने की बात कर रही हैं। गौरतलब है कि मई से ही तालिबान लगातार हमला कर रहा है। वो तेजी से कई जिलों को अपने कब्जे में ले चुका है। इस दौरान हजारों की संख्या में आम नागरिक भी मारे गए हैं।

तालिबान आतंकियों से घबराई पाकिस्तानी सेना, कतर पहुंचे सेना प्रमुख जनरल बाजवा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। अफगानिस्तान में तालिबान आतंकियों के राज से अब पाकिस्तानी सेना को भी डर लगने लगा है। पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने कतर की राजधानी दोहा में तालिबान के शीर्ष नेताओं से खुफिया मुलाकात की है। पाकिस्तानी सेना तालिबान को सैन्य मदद दे रही है। साथ ही बाजवा यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि पाकिस्तान के बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हिंसक गतिविधियों को अंजाम देने वाले विद्रोही अफगानिस्तान में सुरक्षित पनाहगार न बना लें। रिपोर्ट के मुताबिक बाजवा के साथ खुफिया एजेंसी आईएसआई के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल फैज अहमद और मेजर जनरल सरदार हसन हयात भी उनके साथ दोहा गए थे। देर रात को तालिबान के शीर्ष नेताओं मुल्ला बरादर और मुल्ला अब्दुल हकीम के साथ पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियों की यह गोपनीय बैठक हुई।

साउथ कोरिया में महिलाओं ने कटाए अपने बाल, ये फैशन नहीं आंदोलन है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सियोल। इन दिनों साउथ कोरिया में महिलाएं अपने छोटे बालों की तस्वीरें शेयर कर रही हैं। ये मामला दक्षिण कोरियाई तीरंदाज एन सैन से जुड़ा हुआ है। ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट एन सैन को अपने बीते दिनों अपने छोटे बालों के लिए सोशल मीडिया पर कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा था। एन सैन ने टोक्यो ओलंपिक में तीन गोल्ड मेडल अपने नाम किए। इसके लिए उन्हें प्रशंसा तो मिली लेकिन अपने छोटे बालों के लिए उन्हें आलोचना का सामना भी करना पड़ा। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक सोशल मीडिया पर लोगों ने 20 वर्षीया सैन के हेयरस्टाइल को श्फेमिनिस्टश करार दिया और उनकी आलोचना की। साउथ कोरिया में फेमिनिस्ट शब्द को पुरुषों से नफरत करने वालों से जोड़कर देखा जाता है।

इमरान खान 'असहाय' पीएम, पाकिस्तान में पत्रकारों के लिए डर का माहौल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के एक पत्रकार हामिद मीर ने कहा है कि इमरान खान एक "असहाय" प्रधानमंत्री हैं और देश में मीडिया कर्मियों के लिए "भय का वातावरण" बनता जा रहा है। पाकिस्तान के ताकतवर सैन्य प्रतिष्ठान के विरुद्ध कड़ी टिप्पणी करने पर मीर के कार्यक्रम पर अनिश्चितकाल के लिए प्रतिबंध लगा दिया गया था। वह जियो न्यूज चैनल पर प्राइमटाइम राजनीतिक चर्चा के शो 'कैपिटल टॉक' के मेजबान थे, जिसे अब बंद कर दिया गया है। इस्लामाबाद में पत्रकार और यूट्यूबर असद अली तूर पर तीन अज्ञात व्यक्तियों द्वारा हमले के विरोध में 28 मई को पत्रकारों ने विरोध प्रदर्शन किया था, जिसमें मीर ने आक्रोश से भरा भाषण दिया था। मीर ने हमले की जवाबदेही तय करने की मांग की थी, जिसके बाद 30 मई को उनका शो बंद कर दिया गया था। देश की सेना के विरोध में बोलने वाले पत्रकारों पर इस तरह के हमले होते रहे हैं।

मजार-ए-शरीफ पर तालिबान के भीषण हमले

तनाव

23 साल पहले ईरान-पाक संबंधों में आ गया था तनाव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काबुल। उत्तरी अफगान शहर मजार-ए-शरीफ में 23 साल पहले 8 अगस्त को 8 राजनयिकों और एक पत्रकार सहित 11 ईरानियों की निर्मम हत्या कर दी गई थी। यह हत्याएं 1998 में तब की गई थी, जब तालिबान ने शहर पर कब्जा कर लिया था, जिसे व्यापारिक केंद्र के रूप में जाना जाता था और तब सिल्क रोड के साथ वाणिज्य फलता-फूलता था। यह घटना ईरान और पाकिस्तान के बीच संबंधों को खराब करने में अहम रही है। दुखद घटना के अंगारे अभी भी सुलग रहे हैं। वह भी तब जब एक बार फिर से तालिबान इस महत्वपूर्ण शहर की ओर बढ़ रहा है।

अपनी लंबी यादों के लिए जाने जाने वाले ईरानियों ने एक बार फिर कहा है कि उनकी तरफ से त्रासदी का कोई अंत नहीं है। शनिवार को जारी ईरान के विदेश मंत्रालय के एक बयान में कहा गया, आठ अगस्त इस्लामी गणतंत्र ईरान की राजनयिक शाखा के लिए सबसे कड़वे दिनों में से एक है। बयान में कहा गया है, 23 साल पहले, इसी दिन ईरानी राजनयिक और एक ईरानी रिपोर्टर अफगानिस्तान के मजार-ए-शरीफ में देश के वाणिज्य दूतावास में कायरता के एक कृत्य में और तेहरान के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय नियमों, संधियों और मानव एवं इस्लामी कॉमन सेंस के प्रति प्रतिबद्धताओं के उल्लंघन में शहीद हो गए थे।

ईरान ने कहा, हम भूल नहीं सकते हत्याकांडः अप्रत्याशित रूप से, विदेश मंत्रालय ने कसम खाई है कि वह तब तक आराम से नहीं बैठेंगे, जब तक कि घटना के सभी आयामों का खुलासा नहीं हो जाता। बयान में कहा गया है कि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान इस मुद्दे को ईरानी सरकार और राष्ट्र की एक स्पष्ट मांग के रूप में आगे बढ़ाने का वचन देता है, जब तक कि घटना के छिपे हुए पहलू सामने नहीं आते। उसने जोर देकर कहा कि तेहरान इस घटना के शहीदों की स्मृति का सम्मान करता है और एक बार फिर, आतंकवाद के निष्पादित कृत्य की कड़ी निंदा करता है। विश्लेषकों का कहना है कि ईरान का रोष पाकिस्तान पर केंद्रित है, क्योंकि हत्याओं को अंजाम देने में पाक स्थित कट्टर सुन्नी संगठन सिपाह-ए-शहाबा पाकिस्तान का हाथ होने का संदेह है। यह व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है कि एसएसपी, पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस के लिंक के साथ, अति-कट्टरपंथी लश्कर ए-जहांगवी सहित कई अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंधित आतंकवादी समूहों की मदरशिप है। बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, एलईजे का गठन रियाज बसरा के नेतृत्व में एसएसपी से अलग होने के बाद हुआ था।

इस्लाम की देवबंदी परंपरा की विचारधारा को साझा करते हुए तालिबान के साथ गठबंधन करने के बाद यह अफगानिस्तान में समृद्ध हुआ। कई प्रशिक्षण शिविर स्थापित किए गए, जहां शिया विरोधी आतंकवादियों को पाकिस्तानी अपराधियों और आतंकवादियों के साथ प्रशिक्षित किया गया, जिन्होंने डूरंड रेखा के पार शरण ली थी।

कोरोना से जंग में वैक्सीन को बनाएं हथियार....

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका के सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के डेटा के अनुसार 99.99 फीसदी से अधिक लोग, जिन्हें कोविड-19 के खिलाफ पूरी तरह से वैक्सीन लग चुकी है, उनमें अस्पताल में भर्ती होने या मृत्यु का एक भी मामला नहीं हैं। आंकड़े बताते हैं कि 2 अगस्त तक अमेरिका में 164 मिलियन से अधिक लोगों को पूरी तरह से कोरोना की वैक्सीन लग चुकी है। इन लोगों में से 0.001 फीसदी से कम यानी 1,507 लोगों की मौत हुई और 0.005 फीसदी से कम यानी 7,101 लोग कोरोना वायरस के चलते अस्पताल में भर्ती हुए।

ज्यादातर बुजुर्ग संक्रमितः सीडीसी ने इससे पहले 26 जुलाई तक कोरोना के मामलों पर डेटा प्रकाशित किया था। इन नए आंकड़ों में 938 अतिरिक्त गंभीर मामले शामिल हैं। इस सात दिनों की अवधि में 862 अस्पताल में भर्ती हुए और 244 लोगों की मौत के मामले दर्ज किए गए। सीडीसी ने नए मामलों के समय के बारे में और ज्यादा जानकारी नहीं दी है। सभी रिपोर्ट किए गए कोरोना के मामलों में से लगभग तीन-चौथाई 65 साल या उससे ज्यादा उम्र के वरिष्ठ नागरिक हैं।

सीडीसी के अनुसार मरने वाले कुल 1,500 लोगों में, हर पांच में से एक व्यक्ति की मौत कोविड-19 के अलावा किसी और चीज से हुई।

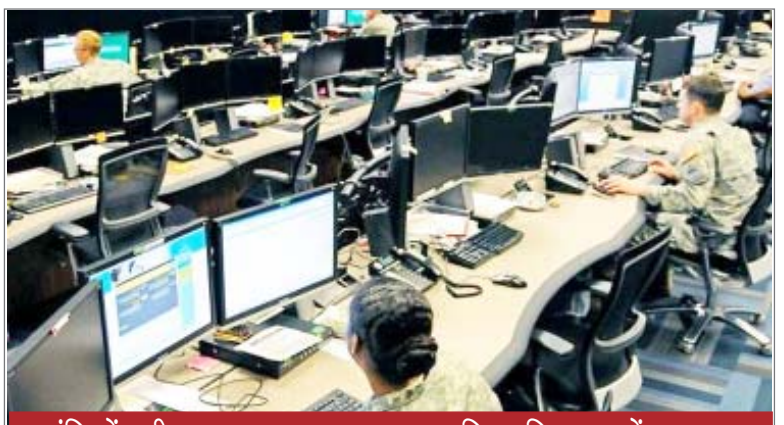

आतंकियों की मदद कर रहा पाक सुरक्षित ठिकानाः पेंटागन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका ने कहा है कि पाकिस्तान के सुरक्षित ठिकाने युद्ध से तबाह अफगानिस्तान में आतंकवादियों की मदद कर रहे हैं और वाशिंगटन इस्लामाबाद के साथ बातचीत कर रहा है और उनसे अफगानिस्तान के साथ देश के सीमा क्षेत्र में स्थित उन सुरक्षित ठिकानों को बंद करने के लिए कह रहा है। पेंटागन के प्रेस सचिव जॉन एफ. किर्बी ने सोमवार को एक प्रेस वार्ता में कहा, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच उस सीमा पर मौजूद सुरक्षित पनाहगाहों के बारे में पाकिस्तानी नेतृत्व के साथ हमारी बातचीत जारी है। और हमें इस बात का ध्यान है कि वे सुरक्षित पनाहगाह केवल अफगानिस्तान के अंदर अधिक असुरक्षा, अधिक अस्थिरता का स्रोत प्रदान कर रहे हैं।

अमेरिका-साउथ कोरिया के सैन्य अभ्यास पर भड़की किम जोंग उन की बहन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन की बहन किम यो-जोंग ने मंगलवार को संयुक्त सैन्य अभ्यास को लेकर अमेरिका और दक्षिण कोरिया की आलोचना की। उन्होंने इसके जवाब में प्योंगयांग के परमाणु हथियार बनाने का संकल्प लिया। प्योंगयांग की आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी की ओर से दिए गए एक बयान में, किम यो-जोंग ने कहा, अभ्यास अमेरिकी शत्रुतापूर्ण नीति की सबसे ज्वलंत अभिव्यक्ति हैं, जो हमारे राज्य को बल से दबाने के लिए डिजाइन किया गया है।

प्रायद्वीप को संकट में डाल रहे अभ्यासः उन्होंने कहा, यह एक अवांछित कार्य है। आत्म-विनाश के लिए एक महंगी कीमत चुकानी चाहिए क्योंकि वे हमारे लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा हैं और कोरियाई प्रायद्वीप की स्थिति को और ज्यादा संकट में डालते हैं।श किम यो-जोंग ने कहा कि, श्हम अमेरिका से लगातार बढ़ते सैन्य खतरों, यानी राष्ट्रीय रक्षा क्षमताओं और हमारे खिलाफ किसी भी सैन्य कार्रवाई का तेजी से मुकाबला करने के लिए पूर्ण क्षमता के निवारक को और बढ़ाने के लिए प्रेरणा देंगे।

अमेरिका-साउथ कोरिया का संयुक्त सैन्य अभ्यास

सेना को वापस बुलाए अमेरिका सियोल की योनहाप न्यूज एजेंसी ने बताया कि अभ्यास की निंदा करने के अलावा, उन्होंने दक्षिण कोरिया में तैनात अमेरिकी बलों को वापस बुलाने की भी मांग की। उन्होंने कहा, प्रायद्वीप पर शांति स्थापित करने के लिए, अमेरिका की ओर से दक्षिण कोरिया में तैनात अपने आक्रामक सैनिकों और युद्ध हार्डवेयर को वापस लेना अनिवार्य है। उन्होंने कहा, जब तक अमेरिकी सेना दक्षिण कोरिया में रहती है, कोरियाई प्रायद्वीप पर स्थिति के समय-समय पर बिगड़ने का मूल कारण कभी खत्म नहीं होगा।

हर स्थिति के लिए तैयार साउथ कोरियाः उत्तर कोरिया लंबे समय से सियोल और वाशिंगटन के सैन्य अभ्यासों को प्योंगयांग पर आक्रमण के पूर्वाभ्यास के रूप में निंदा करता रहा है।

पाकिस्तान के गृहमंत्री शेख रशीद ने भारत पर लगाए झूठे आरोप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। कश्मीरी आतंकियों को पालने वाले पाकिस्तान के बड़बोले गृहमंत्री शेख रशीद ने भारत और इजरायल पर पाकिस्तान में आतंकवाद फैलाने का आरोप लगाया है। रशीद ने कहा कि पाकिस्तान में आतंकी गतिविधियों के लिए भारत, अफगानिस्तान और इजरायल जिम्मेदार हैं और सुरक्षा एजेंसियां से नाकाम करने को कहा। शेख रशीद ने खुद ही स्वीकार किया कि उन्होंने हमले के डर से 13 अगस्त को होने वाली रैली को स्थगित कर दिया। शेख रशीद ने दावा किया कि पाकिस्तान कश्मीर और चाइना पाकिस्तान इकनॉमिक कॉरिडोर को लेकर एकजुट है। उन्होंने यह भी कहा कि सीपीईसी की राह में आने वाली किसी भी बाधा को वह बर्दाश्त नहीं करेंगे। पाकिस्थानी गृहमंत्री का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब वह दासू ब्लास्ट को लेकर घिरे हुए हैं। चीन से लताड़ लगने के बाद अब पाकिस्तान ने मान लिया है कि यह एक आतंकी हमला था और उसने चीन को चीनी नागरिकों की सुरक्षा बढ़ाने का आश्वासन दिया है।